

बैंगन



लघुपत्र रोग

इस रोग के कारण पत्तियां पतली, दुबली, मुलायम तथा चिकनी होती हैं। इनका रंग पीला होता है। बाद में आने वाली सभी नई पत्तियों का आकार और भी छोटा हो जाता है। रोगी पौधे झाड़ीनुमा दिखायी पड़ते हैं और उनमें फूल नहीं बनते। यदि बनते भी हैं तो हरे रंग के हो जाते हैं परन्तु फल बिल्कुल नहीं लगते हैं।

प्रबंधन

रोग वाहक कीटों के नियंत्रण के लिए के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल 1 मि.ली./4 लीटर पानी का छिड़काव करें। कुल 3-4 बार छिड़काव 15-20 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। रोगी पौधों को उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए। खेत से खरपतवारों को साफ कर देना चाहिए। खेत के आसपास रोग ग्राही खरपतवार नहीं होने चाहिए।